# Bajrang Baan In Hindi PDF Free Download

## दोहा :

निश्चय प्रेम प्रतीति ते, बिनय करैं सनमान।
तेहि के कारज सकल शुभ, सिद्ध करैं हनुमान॥

## चौपाई :

जय हनुमंत संत हितकारी।
सुन लीजै प्रभु अरज हमारी॥ 1 ॥

जन के काज बिलंब न कीजै।
आतुर दौरि महा सुख दीजै॥ **2** ॥

जैसे कूदि सिंधु महिपारा।
सुरसा बदन पैठि बिस्तारा॥ 3 ॥

आगे जाय लंकिनी रोका।
मारेहु लात गई सुरलोका॥ **4** ॥

जाय बिभीषन को सुख दीन्हा।
सीता निरखि परमपद लीन्हा॥ 5 ॥

बाग उजारि सिंधु महँ बोरा।
अति आतुर जमकातर तोरा॥ **6** ॥

अक्षय कुमार मारि संहारा।
लूम लपेटि लंक को जारा॥ 7 ॥

लाह समान लंक जरि गई।
य जय धुनि सुरपुर नभ भई॥ **8** ॥

अब बिलंब केहि कारन स्वामी।
कृपा करहु उर अंतरयामी॥ 9 ॥

जय जय लखन प्रान के दाता।
आतुर ह्वै दुख करहु निपाता॥ **10** ॥

HANUMAN CHALISA

जै हनुमान जयति बल-सागर।
सुर-समूह-समरथ भट-नागर॥ 11 ॥

ॐ हनु हनु हनु हनुमंत हठीले।
बैरिहि मारु बज्र की कीले॥ **12** ॥

ॐ ह्नीं ह्नीं ह्नीं हनुमंत कपीसा।
ॐ हुं हुं हुं हनु अरि उर सीसा॥ 13 ॥

जय अंजनि कुमार बलवंता।
शंकरसुवन बीर हनुमंता॥ **14** ॥

बदन कराल काल-कुल-घालक।
राम सहाय सदा प्रतिपालक॥ 15 ॥

भूत, प्रेत, पिसाच निसाचर।
अगिन बेताल काल मारी मर॥ **16** ॥

इन्हें मारु, तोहि सपथ राम की।
राखु नाथ मरजाद नाम की॥ 17 ॥

सत्य होहु हरि सपथ पाइ कै।
राम दूत धरु मारु धाइ कै॥ **18** ॥

जय जय जय हनुमंत अगाधा।
दुख पावत जन केहि अपराधा॥ 19 ॥

पूजा जप तप नेम अचारा।
नहिं जानत कछु दास तुम्हारा॥ **20** ॥

बन उपबन मग गिरि गृह माहीं।
तुम्हरे बल हौं डरपत नाहीं॥ 21 ॥

जनकसुता हरि दास कहावौ।
ताकी सपथ बिलंब न लावौ॥ **22** ॥

जै जै जै धुनि होत अकासा।
सुमिरत होय दुसह दुख नासा॥ 23 ॥

चरन पकरि, कर जोरि मनावौं।
यहि औसर अब केहि गोहरावौं॥ **24** ॥

HANUMAN CHALISA

उठु, उठु, चलु, तोहि राम दुहाई।
पायँ परौं, कर जोरि मनाई॥ 25 ॥

ॐ चं चं चं चं चपल चलंता।
ॐ हनु हनु हनु हनु हनुमंता॥ **26** ॥

ॐ हं हं हाँक देत कपि चंचल।
ॐ सं सं सहमि पराने खल-दल॥ 27 ॥

अपने जन को तुरत उबारौ।
सुमिरत होय आनंद हमारौ॥ **28** ॥

यह बजरंग-बाण जेहि मारै।
ताहि कहौ फिरि कवन उबारै॥ 29 ॥

पाठ करै बजरंग-बाण की।
हनुमत रक्षा करै प्रान की॥ **30** ॥

यह बजरंग बाण जो जापैं।
तासों भूत-प्रेत सब कापैं॥ 31 ॥

धूप देय जो जपै हमेसा।
ताके तन नहिं रहै कलेसा॥ **32** ॥

## दोहा :

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

Hanumanchalisapdf.org